

9. प्रगति छात्रवृत्ति 2014-15 –

यह भी AICTE द्वारा लागू सरकारी छात्रवृत्ति योजना है, इस छात्रवृत्ति के तहत, तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए मेधावी छात्राओं के बीच हर साल कुल 4000 छात्राओं में छात्रवृत्ति वितरण किया जाता है। प्रत्येक वर्ष 10 महीने के लिए 2000 की आकस्मिक अनुदान के साथ, छात्रवृत्ति विजेताओं को 30,000 रु. तक की राशि दी जाती है।

शर्तें –

- छात्रा ने प्रथम वर्ष डिग्री / डिप्लोमा में प्रवेश लिया हो
AICTE द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान में।

- इसमें 2000 डिप्लोमा छात्राओं व 2000 छात्राएं डिग्री कोर्स में प्रवेश लेने वाली छात्राओं के लिए आरक्षित है।
- ट्यूशन/शिक्षण शुल्क माफी पर 30,000 रु. की राशि उपकरण, पुस्तकें, लैपटॉप, वाहन आदि खरीदने के लिए दी जाती है।

10. प्रेरणा – उच्च शिक्षा के लिए SC/ST छात्रों को तैयार करने की योजना –

इस योजना का उद्देश्य उन संस्थानों को वित्तीय सहायता देना है, जो GATE/GPAT/CAT/CMAT के लिए SC/ST छात्रों को प्रोत्साहित व प्रशिक्षित करने के लिए अतिरिक्त प्रयास को तैयार है।

इसका मुख्य उद्देश्य SC/ST के छात्रों को GATE/ GPAT जैसी प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से उच्च शिक्षा में प्रवेश दिलाना है, ताकि तकनीकी शिक्षकों की कमी को पूरा किया जा सके।

शर्तें –

1. AICTE द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान।
2. संस्थान कम से कम 10 वर्षों से अस्तित्व में हो।
3. संस्थान के पास आधारभूत ढांचा हो स्वयं का योजना को शुरू करने के लिए।
4. सरकार की उपयोजना के तहत SC/ST की शर्तों को पूरा करता हो, कम से कम 50 SC/ST Student हो पिछले 3 वर्ष में।

अवधि –

24 वर्ष (Pre-Final) & (Final of the education)

वित्तीय सहायता की सीमा –

10 लाख (AICTE एक बार में राशि देगा)

- जिसमें संस्था न होने वाले खर्चों, व्याख्यान, सेमिनार के लिए विशेषज्ञों को बुलाने पर @2000 Per Class for 2 hour कम से कम दिए जाएंगे। TA, DA नहीं दिया जाएगा।
- विद्यार्थी केवल आवेदन शुल्क चुकाएंगे।

11. समृद्धि -

स्टार्ट-अप की स्थापना के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति के छात्रों के लिए योजना -

बाजार में नौकरी की उपलब्धता में कमी को देखते हुए, SC/ST छात्रों को उद्यम शुरू करने के लिए अवसर प्रदान करना आवश्यक है। SC/ST छात्रों को मदद करने के लिए इस योजना का व्यापक उद्देश्य औपचारिक शिक्षा समाप्त होने के बाद, AICTE की स्टार्ट-अप नीति के तहत अपने स्वयं का व्यवसाय/स्टार्ट-अप को डिजाइन करें, लॉन्च करें व चलाना है।

योग्यता –

1. AICTE द्वारा Approve किसी भी संस्थान का छात्र।
2. ऐसी संस्थान का छात्र, जिसकी स्थापना को कम से कम 10 वर्ष हो गए हों।
3. संस्थान में कम से 30 SC/ST छात्र हो।
4. पिछले 3 वर्षों से एक ही संस्थान में अध्ययनरत हो।
5. विश्वविद्यालय के पास Equitation center होना चाहिए।
6. संस्थान / विश्वविद्यालय भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना या आदिवासी उपयोजना के दिशानिर्देशों का पालन करें।

वित्तीय सहायता –

- नीति में संबंधित संस्थान/विश्वविद्यालय को दी जाने वाली अधिकतम 20 लाख रुपये व प्रतिवर्ष के आधार पर लगभग 1 लाख दिए जाएंगे।
- प्रस्ताव की जांच कमेटी द्वारा की जाएगी व वित्तीय सहायता प्रस्ताव की जांच के बाद मंजूरी देते समय वित्तीय सहायता दी जाएगी व 1 लाख की सहायता 2 साल तक लगातार दी जाएगी।
- संस्थान 1 बार में 9 SC/ST Student को Select करेगा, जिन्हें स्टार्ट-अप के लिए 2 लाख रुपये दिए जाएंगे, जो कि Non Refundable है, शेष 2 लाख रु. से संस्थान अपने Exp. को पूरा करेगा।

12. प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (PMSSS), 2011 –

18 अगस्त, 2010 को PM द्वारा J & K के युवाओं के बीच रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों में रोजगार की योजना तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया था।

जम्मू कश्मीर राज्य के बाहर स्नातक की पढ़ाई करने के लिए जम्मू कश्मीर के छात्रों के कौशल में सुधार के लिए हर साल छात्रवृत्तियां दी जाती थी।

यह योजना 2011 में शुरू की गई थी और समय-समय पर इसे संशोधित भी किया गया है।

इस योजना के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं –

1. उद्देश्यों को पूरा करने के लिए योजना के उचित कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश तैयार करना।
2. योजना के बारे में जागरूकता कार्यशालाओं का संचालन करना।
3. विभिन्न कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के लिए परामर्श आयोजित करना।
4. योग्य उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति वितरण।
5. PMSSS छात्रों की शिकायतों का निवारण।

योग्यता –

1. सीनियर सैकडरी उत्तीर्ण हो वो भी J & K Board या CBSE से जो कि J & K में स्थित हो।
2. 10 + 3 का डिप्लोमा उत्तीर्ण किया हो व इंजिनियरिंग कोर्स के 2nd yr में प्रवेश के लिए पात्र हो।
3. आय- परिवार की आय 8 लाख से ज्यादा ना हो।
4. यह केवल उन्हीं के लिए जो J & K से बाहर जाकर अध्ययन करना चाहते है।

सहायता –

- General Degree Rs. 30000 में Academic fees.
- 2070 Members को Scholarship दी जाएगी।
- Engineering / Professional में 1.25 लाख Academic Fees 2830 No. of students.
- Medical / BDS or equivalent – 3 Lakh तक Total 100 student.
- Total = 500 students को 1 लाख रु. / रख-रखाव व्यय।

13. AICTE-INAE यात्रा विकास योजना –

यह योजना इंजिनियरिंग के छात्रों के लिए विदेश में Papers को प्रकाशित करने के लिए, इंजीनियरिंग शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए शुरू की गई है।

इसमें Registration Fees 100% Visa Fee और वास्तविक हवाई यात्रा खर्च का 50% दिया जाएगा। Maxi वित्तीय सीमा 1 लाख रु. एक छात्र पर है।

- INAE – Engineering
- Indian National Academy – 11 April 1988
नई दिल्ली

14. UKIERI – (UK-India Education & Research Institute)

- इसकी शुरुआत अप्रैल, 2006 में भारत व यूके के बीच शैक्षिक संबंधों को बढ़ाने के लिए हुई थी। तब से UKIERI को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में मान्यता दी गई है। इससे दोनों देशों में अनुसंधान, नेतृत्व, शिक्षा व कौशल संबंधों को मजबूत किया है।
- UKIERI का चरण-I (2006-11) एक रूप-रेखा स्थापित करता है, जो शिक्षा व अनुसंधान पर द्विपक्षीय संबंधों में एक कदम बदलाव को लाता है।

- UKIERI का चरण – II (2011-16) दोनों देशों को राष्ट्रीय चिंता के विषयगत क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित किया।
- UKIERI का चरण – III (2016-2021) इसका उद्देश्य शैक्षिक प्रथाओं, अनुसंधान व रोजगार में संस्थागत व व्यक्तिगत उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।
- भारत में इसके सहयोगी – MHRD, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, UGC, AICTE व कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय।
- UK की तरफ से – व्यापार ऊर्जा व औद्योगिक रणनीति विभाग, शिक्षा विभाग, विदेश व राष्ट्रमंडल कार्यालय, स्कॉटिश सरकार आदि।

16. प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छात्रों सहायता योजना (SSPCA) –

इसमें इंजीनियरिंग छात्रों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए Minimum 2 to 10 छात्रों की टीम को यात्रा सहायता पंजीकरण शुल्क प्रदान करना है।

वित्तीय सहायता –

Maxi @ 1 लाख रु. Per Candidate, 10 लाख ज्यादा नहीं 10 Students को।

15. PMRF (प्रधानमंत्री अनुसंधान अध्येता योजना) –

देश में विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए PMRF योजना तैयार की गई है। आकर्षक फैलोशिप के साथ, योजना अनुसंधान में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने का प्रयास करती है, जिससे नवाचार के माध्यम से विकास की दृष्टि का एहसास होता है। योजना की घोषण 2018-19 के बजट में की गई थी।

योग्य संस्थान –

इसमें सभी IIT, IISER, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलूरु व कुछ शीर्ष केन्द्रीय विश्वविद्यालय / NIT शामिल है, जो विज्ञान व प्रौद्योगिकी डिग्री प्रदान करते हैं।

उम्मीदवारों का चयन एक कठोर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें उनके प्रदर्शन की समीक्षा एक राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से की जाएगी।

योग्यता -

(A) सीधे प्रवेश चैनल के द्वारा निम्न मानदंड पूरे करने आवश्यक है -

1. पिछले तीन वर्षों में, उम्मीदवार ने या तो डिग्री पूरी कर ली हो या Final yr में हो स्नातक या स्नातकोत्तर की। जिसकी Stream Science, Technology हो। किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से व उसका CGPA 8.0 या ज्यादा या GATE Score 650 या ज्यादा, यह अंक में परिवर्तन भी किया जा सकता है, अगर डिग्री केन्द्र से प्रत्यक्ष वित्त प्राप्त संस्थान से ली है, तो।

2. GATE उत्तीर्ण हो और PMRF अनुदान वाले संस्थानों में से एक पर शोध करके M.Tech चार वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा किया हो।
3. PMRF अनुदान देने वाला संस्थान अपने छात्र को Ph.D नियमित चयन प्रक्रिया कार्यक्रम के माध्यम से उसकी योग्यता को देखते हुए PMRF के पुरस्कार के लिए सिफारिश करता है।

इस चैनल से चयन – अनुसंधान प्रदर्शन, प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक प्रतियोगिता में प्रदर्शन, ग्रेड व सिफारिश पत्र के आधार पर किया जाएगा।

(B) अंतिम प्रवेश चैनल (Lateral Entry Channel) –

इस माध्यम से आवेदक को निम्न मानदंडों को पूरा करना होता है –

1. उम्मीदवार की Ph.D PMRF अनुदान देने वाली संस्थाओं में से एक में हो।

इसके अलावा उसे Ph.D में Maxi. 12 महीने पूरे हुए हो। Ph.D Maxi 24 महीने में पूरा किया जाना चाहिए। यदि वह स्नातक डिग्री के साथ ही Ph.D में प्रवेश हो गया था तो CGPA 8.5 या अधिक होने चाहिए।

2. PMRF अनुदान देने वाली संस्था छात्र की सिफारिश करें। उससे संबंधित जानकारी को PMRF Web Portal पर Upload करें।
3. एक मजबूत शोध प्रस्ताव, प्रकाश रिकॉर्ड, ग्रेड आदि के आधार पर उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। पत्रों के प्रकाशन (Reputed Journals / Conference) में भी Weightage (भार) दिया जाएगा।

Dr. Mukesh Pancholi